CBSE Test Paper 04

Ch-7 रैदास

1. स्वयं को बाती कहकर रैदास क्या सिद्ध करना चाहते हैं? 'रैदास के पद' के आधार पर लिखिए।
2. चन्दन की सुगंध अंग-अंग में बस जाने से रैदास का भाव क्या है?
3. रैदास ने अपने स्वामी को किन-किन नामों से पुकारा है? उनके स्वामी की कोई दो विशेषताएँ भी बताइए।
4. कवि रैदास को किसके नाम की रट लगी है?
5. कवि रैदास ने प्रभु को निडर क्यों कहा है?
6. कवि रैदास की भक्ति में कौन-सा भाव उभरकर आया है? उनकी कविता से प्रमाण दीजिए।
7. कवि रैदास ने ईश्वर की किस गरीब निवाज की अनोखी आदत का उल्लेख किया है?
8. कवि रैदास ने भगवान और भक्त की तुलना किन-किन चीजों से की है?

CBSE Test Paper 04

Ch-7 रैदास

Answer

1. स्वयं को बाती कहकर रैदास यह सिद्ध करना चाहते हैं कि मनुष्य ईश्वरीय कृपा से प्रकाशित होता है। मैं तुम्हारे प्रेम में सदा जलता रहता हूँ।

2. चन्दन की सुगंध अंग-अंग में बस जाने से रैदास का भाव हैम कि राम की भक्ति उनके शरीर के पोर-पोर में समा गयी है।

3. रैदास ने अपने स्वामी को गरीब निवाजु, लाल, गोविन्द, गुसाई, हरि आदि नामों से पुकारा है। स्वामी की नजर में भक्त की भक्ति श्रेष्ठ व उनका प्रेम सर्वोपरि है।

4. कवि रैदास को राम के नाम की रट लगी है। वह हमेशा राम नाम जपते रहते हैं।

5. कवि ने प्रभु को निडर कहा है क्योंकि वह दीन, दयालु, गरीब निवाजु है। वे समदर्शी हैं। वे नीची जाति वालों को भी अपनाकर उन्हें समाज में ऊँचा स्थान देते हैं। वह असंभव को भी संभव कर सकते हैं।

6. रैदास की भक्ति दास्य भाव की है। वे स्वयं को लघु, तुच्छ और दास कहते हैं। वे प्रभु को दीनदयाल, भक्तवत्सल कहते हैं व स्वयं को दास और प्रभु को उनका स्वामी बताते हुए कहते हैं-"तुम स्वामी हम दासा।"

7. कवि रैदास ने अपने प्रभु को 'गरीब निवाजु' कहा है। इसका अर्थ है-दीन-दुखियों, गरीबों पर दया करने वाला। प्रभु ने रैदास जैसे अछूत को संत की पदवी प्रदान कर उसे आदर, सम्मान का पात्र बना दिया। प्रभु गरीब को अमीर और राजा बना देता है।

8. रैदास के लाल की विशेषता है कि वह दीनदयालु, गरीब निवाजु हैं। ईश्वर समदर्शी है। जो नीची जाति वालों को भी अपनाकर उन्हें समाज में ऊँचा स्थान देता है। वह असंभव को भी संभव कर सकता है।